



NCERT Solutions for Class 11 Hindi Core A chapter 20 Syed Raza Haider

### **1. रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश क्यों नहीं स्वीकार की?**

**उत्तर:-** रज़ा को बंबई शहर, यहाँ का वातावरण, गैलेरियाँ, यहाँ के लोग और मित्र बड़े पसंद आए और उन्होंने यहीं रहने का अपना मन बना लिया था इसलिए रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश नहीं स्वीकार की।

### **2. बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने क्या-क्या संघर्ष किए?**

**उत्तर:-** रज़ा जब बंबई आए तो सबसे पहले उन्हें एक्सप्रेस ब्लाक स्टूडियो में डिजायनर की नौकरी तो मिल गई पर रहने का कोई उचित स्थान न मिला वे अपने किसी परिचित ड्राइवर के ठिकाने पर रात बिताते। उनकी दिनचर्या बड़ी कड़ी थी सुबह दस से शाम छह बजे तक नौकरी और उसके बाद मोहन आर्ट क्लब में जाकर पढ़ना। कुछ दिनों बाद उन्हें स्टूडियो के आर्ट डिपार्टमेंट का कमरा मिला परंतु सोना उन्हें तब भी फ़र्श पर ही होता था। वे रात ग्यारह-बारह बजे तक गलियों के चित्र या तरह-तरह के स्केच बनाते रहते थे। इस तरह बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने संघर्ष किए।

### **3. भले 1947 और 1948 में महत्वपूर्ण घटनाएँ घटी हों, मेरे लिए वे कठिन बरस थे — रज़ा ने ऐसा क्यों कहा?**

**उत्तर:-** रज़ा ने इन्हें कठिन बरस इसलिए कहा है क्योंकि इसी दौरान उनकी माँ की मृत्यु हुई थी। उनके पिताजी को मंडला लौट जाना पड़ा था और उसके अगले ही साल उनका भी देहांत हो गया। 1947 में भले हमें स्वतंत्रता मिल गई थी परंतु सभी को विभाजन की त्रासदी भी झेलनी पड़ी गाँधीजी की हत्या ने समूचे देश को ही हिला दिया था। रज़ा पर भी इन सभी बातों का गहरा असर पड़ा था। अतः इन्हीं सब घटनाओं के कारण रज़ा ने इन वर्षों को कठिन बरस कहा है।

#### 4. रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार कौन थे?

उत्तर:- रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार सेज़ाँ, वॉन, गोगॉ, पिकासो, मातीस, शागील, ब्राँक थे।

5. तुम्हारे चित्रों में रंग है, भावना है, लेकिन रचना नहीं है। तुम्हें मालूम होना चाहिए कि चित्र इमारत की तरह बनाया जाता है — आधार, नींव, दीवारें, बीम, छत; और तब जाकर वह टिकता है — यह बात

क. किसने, किस संदर्भ में कही?

ख. रज़ा पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर:- क. उपर्युक्त कथन फ्रेंच फोटोग्राफर हेनरी कार्तिए ब्रेसॉ ने लेखक के चित्रों के संदर्भ में अपनी टिप्पणी देते हुए कहे हैं।

ख. फ्रेंच फोटोग्राफर हेनरी कार्तिए ब्रेसॉ की टिप्पणी का रज़ा पर बड़ा गहरा प्रभाव पड़ा। बंबई लौटते ही रज़ा ने फ्रेंच सीखने के लिए अलयांस फ़्रांस में दाखिला लिया और अपना ध्यान पेंटिंग की बारीकियों पर केंद्रित करने लगे।

6. रज़ा को जलील साहब जैसे लोगों का सहारा न मिला होता तो क्या तब भी वे एक जाने-माने चित्रकार होते? तर्क सहित लिखिए।

उत्तर:- रज़ा को जलील साहब जैसे लोगों का सहारा न मिला होता तब भी वे एक जाने-माने चित्रकार होते क्योंकि रज़ा में चित्रकार बनने की अदम्य आकांक्षा थी। हाँ यह बात और है कि जलील साहब के कारण रज़ा को आर्थिक कठिनाइयों से मुक्ति अवश्य मिली परंतु संघर्ष, लगन और धुन तो रज़ा की ही थी जिसके कारण देर या सवेर उन्हें तो प्रसिद्ध होना ही था।

\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*